



मैत्री समूह

Chirping Sparrow

Year - 22, Issue - 2

A Newsletter of Maitree Samooh



कुछ लिख के सो, कुछ पढ़ के सो

कुछ लिख के सो, कुछ पढ़ के सो,
तू जिस जगह जागा सवेरे, उस जगह से बढ़ के सो।

दिन भर इबारत पेड़, पत्ती और पानी की,
बंद घर की, खुले-फैले खेतधानी की,
हवा की, बरसात की, हर खुशक की, हर तर की,
गुज़रती दिन भर रही जो आपकी, पर की,
उस इबारत के सुनहरे बर्क के मन मढ़ के सो,
तू जिस जगह जागा सवेरे, उस जगह से बढ़ के सो।

लिखा सूरज ने किरन की कलम लेकर,
नाम लेकर जिसे पंछी ने पुकारा जो
हवा जो कुछ गा गयी, बरसात जो बरसी,
जो इबारत नदी बनकर नदी पर दरसी,
उस इबारत की अगरचे सीढ़ियाँ हैं, चढ़ के सो,
तू जिस जगह जागा सवेरे, उस जगह से बढ़ के सो।

- भवानी प्रसाद मिश्र



Pride of Society



Ms. Shobhna Jain
Distinguished Journalist
Chief Guest-YJA 2023

Ms. Shobhna Jain is a renowned journalist who has held significant roles in various media organisations, including Bureau Chief at UNIVARTA, a prominent news agency. Currently, she is the founding editor of the web-based news service VNI. Ms. Jain engages in column writing, documentary work, and actively participates in radio and television discussions on important issues. With expertise in international affairs, she has covered major historical events in over 25 countries.

She also champions journalistic issues, especially those concerning women journalists, serving as the President of the Indian Women's Press Corps (IWPC) in South Asia. Ms. Jain holds a Master's degree in English Literature, is proficient in Hindi, English, German, and Urdu, and is actively involved in covering news stories related to the Jain community. She has a strong commitment to moral values and spiritual practices.



Young Achievers



PANKAJ JAIN
Lalsot, RAJ
YJA Awardee, 2023
100% in 10th &
90% in 12th



JYASH THOLIYA
Pune, MH
YJA Awardee, 2023
Guinness Book World Record Holder
for Memorizing Maximum Number of
National Anthems



RUBAL JAIN
Lucknow, UP
YJA Awardee, 2023
Child Artist
Appeared in Dozen
Bollywood Movies



YASHI JAIN
Raigarh, CG
Youngest
Mount Everest Climber Girl

Chirping Sparrow

Chirping Sparrow is published by **MAITREE SAMOOH**. Post Box No. 15, Vidisha, Madhya Pradesh - 464001
E-mail : samooh.maitree@gmail.com, Website : www.maitreesamooh.com, Mob.: **94254-24984, 9425432295**
www.facebook.com/maitreesamooh

It is circulated to all Young Jaina Awardees and friends of Maitree Samooh.

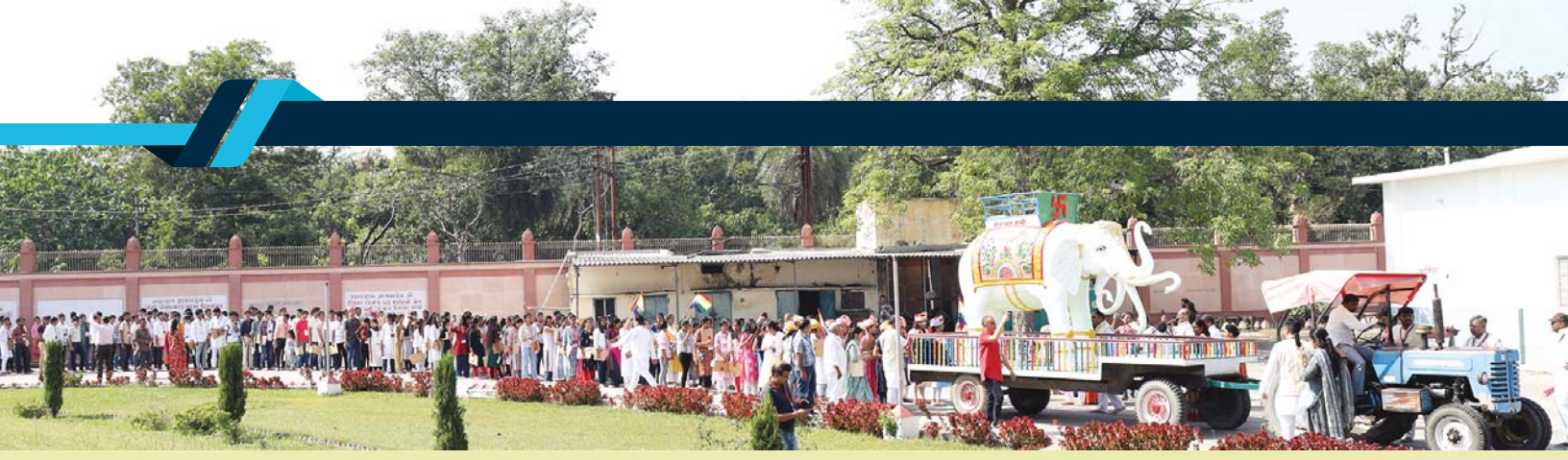


यंग जैना अवार्ड - 2023



अक्टूबर की गुनगुनी ठंड के बावजूद चटख धूप में नहाता हुआ हस्तिनापुर का दिव्य जम्बूद्वीप मंदिर परिसर, लेकिन इस चटख धूप का सूरज फिलहाल इस मंदिर परिसर के विशालकाय कक्ष में उतर आया है और उसके प्रकाश से पूरा माहौल आभामय हो गया था। यह माहौल था वात्सल्य मुनि एवं दार्शनिक जैन संत मुनिश्री क्षमासागरजी की प्रेरणा से "मैत्री समूह" द्वारा अत्यन्त मेधावी छात्रों को सम्मानित करने का। तीर्थंकर भगवान शान्तिनाथ जी, अरहनाथ जी और कुन्थुनाथ जी के विशाल प्रतिमाओं की छत्रछाया में हो रहे सम्मान समारोह में जैसे पूरा सौर मंडल उतर आया था।





परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी के परम आशीर्वाद एवं पूज्य मुनिश्री क्षमासागरजी महाराज की प्रेरणा से मैत्री समूह द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला 'यंग जैना अवार्ड YJA' इस वर्ष प्रसिद्ध जैन तीर्थ जम्बूद्वीप हस्तिनापुर (उ.प्र.) में 21 एवं 22 अक्टूबर 2023 को बड़ी ही भव्यता और गरिमा के साथ आयोजित हुआ। सन् 2001 में शिवपुरी से शुरू हुए 'यंग जैना अवार्ड YJA' में देशभर की विशिष्ट जैन प्रतिभाओं का सम्मान, दो दिवसीय गरिमामय व भव्य समारोह में अत्यन्त प्रबन्धकीय कौशल व अनुशासन के साथ किया जाता है।

इस आयोजन में विभिन्न विषयों के देश के जाने-माने कॉरियर कॉउंसलर एवं मनीषी देश के कोने-कोने से आई प्रतिभाओं को अपना उपयोगी एवं सारगर्भित मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। इस वर्ष 2023 में कक्षा 10वीं में 85 प्रतिशत, 12वीं कक्षा साइंस में 80 प्रतिशत तथा आर्ट एवं कॉमर्स में 75 प्रतिशत या उससे अधिक एवं जैन दर्शन में सर्वोच्च अंक पाने वाले जैन छात्र-छात्राओं की लगभग 2340 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई थीं। इनमें से सर्वोच्च अंक पाने



वाली 205 प्रतिभाओं तथा अन्य विशिष्ट प्रतिभाओं को इस समारोह में आत्मीयता के साथ सम्मानित करने हेतु आमंत्रित किया गया था।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार, IWPC की अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय मामलों की विशेषज्ञ, अनेक न्यूज़ चैनलों में तथा देश के सुप्रसिद्ध अखबारों में नियमित कॉलम लिखने वाली शोभना जैन, नई दिल्ली एवं जानी-मानी कवयित्री, लेखिका, समाजसेविका डॉ. प्रभाकिरण जैन, देहरादून (उत्तराखंड) थीं।

इस दो दिवसीय प्रतिभा सम्मान समारोह का शुभारम्भ 21 अक्टूबर 2023 को देश के कोने-कोने से आई प्रतिभाओं के पंजीयन, भावभीने स्वागत एवं ध्वजारोहण के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ एक प्रोसेशन के रूप में हुआ, जिसमें आगे-आगे ऐरावत हाथी एवं हस्तिनापुर गुरुकुल के बच्चे धवल वस्त्रों में दिव्यघोष के साथ शंखनाद करते हुए चल रहे थे। उसके बाद सभी अवाडी बच्चे पंक्तिबद्ध होकर बेहद अनुशासित तरीके से जयकार लगाते हुए कार्यक्रम स्थल की ओर बढ़ते जा रहे थे।





प्रतिभा सम्मान समारोह का ऐतिहासिक आगाज जानेमाने उद्योगपति श्री पी. एल. बैनाड़ा, आगरा एवं पूर्व के अवार्डीज द्वारा किया गया। इसके पश्चात् तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ।

'नेतृत्व का हुनर' (Leadership Mantras) विषय पर Prof. Dr. Rakesh Godhwani, IIM Bangalore, का विशेष सत्र हुआ।



द्वितीय सत्र में श्री अनुभव जैन (IIM Indore) ने 'Happiness and Success' पर बातचीत की। जीवन को बेहतर बनाने में इस भेद को समझना आवश्यक है।



एक और सत्र में मोटिवेशनल स्पीकर श्री राजदीप मनवानी ने 'How to Deal with Failures' पर अवार्डीज से काफी प्रेरणाप्रद बात की। उसके बाद इसी सत्र में पूज्य मुनि श्री क्षमासागर जी के व्यक्तित्व पर आधारित एक वृत्तचित्र भी दिखाया गया जो युवाओं के समग्र विकास के लिए प्रेरणादायक था।



शाम के सत्र में सुप्रसिद्ध लेखक ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के श्री यशवीर जी द्वारा 'Everyone a Change-maker' विषय पर बेहद सारगर्भित टिप्स और अनुभव सभी अवार्डी बच्चों को सुनने मिले। सभी बच्चों ने अपने-अपने mentors के साथ बैठकर संवाद किया और अपनी- अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। श्री अनुभव जैन ने 'बेसिक्स ऑफ जैनिज्म' पर एक शानदार सत्र लिया। इसी समय मोटिवेशन स्पीकर श्री राजदीप मनवानी ने माता-पिताओं के लिए भी 'Parenting' पर एक सत्र लिया। कार्यक्रम स्थल पर मुनिश्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित एक भव्य प्रदर्शनी लगाई गई थी, जिसे मुनि श्री के विचारों, सिद्धान्तों, धर्म के वैज्ञानिक विश्लेषण, साहित्य आदि पर केन्द्रित किया गया था।

इस तरह ये सभी सत्र शिक्षा, करियर, अध्यात्म, नैतिक मूल्यों, जैन धर्म-दर्शन से समाविष्ट बच्चों के लिए बड़े ही मार्गदर्शन का कार्य कर रहे थे और उन्हें अपने जीवन में धर्म पर चलते रहने की प्रेरणा देने में सहायक रहे।



ब्र. संजय भैया द्वारा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य हेतु योग एवं ध्यान सत्र का बड़े ही वैज्ञानिक ढंग से आयोजन किया गया। भगवान शान्तिनाथ-कृन्धुनाथ-अरनाथ की पावन कल्याणक भूमि में उन्हीं के पादमूल में बैठकर यह सारा आयोजन किया जा रहा था।

अगले दिन 22 अक्टूबर को सभी बच्चों एवं आमंत्रित अतिथियों ने बड़े ही भक्तिभाव से अभिषेक और पूजन करते हुए अपने भक्ति सुमन अर्पित किए। बच्चों में जैन सिद्धान्तों के प्रति आदर, गौरव का यह प्रयास था।

अन्तिम सत्र में पूरे जोश और उत्साह के साथ उपस्थित प्रतिभाओं की उपलब्धियों का वाचन करते हुए, उन्हें सम्मानित

किया गया। इस अवसर पर सुश्री प्रभाकिरण जी ने युवा प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए पूज्य मुनि श्री क्षमासागर जी की कुछ कविताओं का वाचन करते हुए छात्रों को निरन्तर मेहनत करते हुए आगे बढ़ने पर बल दिया, और कहा कि आप सभी से समाज गौरवान्वित है। सुश्री शोभना जी ने छात्रों को सम्मानित करते हुए कहा कि ये छात्र समाज के लिए प्रेरणा हैं, लेकिन जो छात्र पीछे छूट गए हैं, वे हतोत्साहित न हों, कहीं और भी बेहद सुन्दर अवसर उनका इंतजार कर रहे हों। बस वे एकाग्रता से अपनी मंजिल की ओर बढ़ते रहें। दरअसल, ये समारोह सिर्फ इन छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों का जश्न ही नहीं; इनके संस्कार, अनुशासन, और लक्ष्य प्राप्ति के लिए पूर्ण समर्पण का जश्न है, जो सभी के लिए प्रेरक है।

श्री राजेश बड़कुल (छतरपुर), श्रीमती आभा जैन (डिप्टी कमिश्नर वाणिज्यकर, जबलपुर), सौरभ जैन (अशोकनगर) एवं रेशु जैन (मुम्बई) ने अपनी सुमधुर आवाज़ के साथ सफल, कुशल संचालन से उपस्थित जनसमूह को बाँधे रखा।



FIRST SESSION:

Leadership Mantras - By Rakesh Godhwani

This session by Professor Rakesh Godhwani was about leadership mantras where he talked about the six Cs of leadership – Confidence, Collaboration, Competence, Curiosity, Creativity and Communication. These are the skills that one needs to win in any situation – a classroom presentation, a critical job interview, a product launch, an upskilling phase in one's career, or even conducting an effective video call. The Six Cs, can empower one to confidently explore new paths to growth.



SECOND SESSION:

How to Deal with Failures? - By Rajdeep Manwani

The session by motivational speaker Dr. Rajdeep Manwani was highly encouraging where he inspired everyone through various real life examples like Sachin Tendulkar who gained success after facing a lot of failures in their lives. Failure is a part of life and could open an opportunity for something even better, and therefore one should never stop trying, which is eventually the key to success.



THIRD SESSION:

Success vs Happiness - By Anubhav Jain

Does success lead to happiness, or happiness leads to success? The superb interactive session by young speaker Anubhav was truly a great brainstorming session where the whole audience got immersed into an interesting debate on which one is more important. Key conclusion was that success might not always lead to happiness, but happiness could be worth chasing.

FOURTH SESSION:

Everyone a Change-maker - By Yashveer Singh

The session "Everyone a Change-maker" by renowned speaker Yashveer Singh was extremely inspiring wherein he motivated the awardees to become a change maker in the society. He narrated very compelling stories from different time frames to explain how the change often starts without much resources and even without a big team. One has to start with the right intent and think creatively, then things usually start falling in-place. Through simple but inspiring stories of Vinoba Bhave to stories of teenagers from Bangalore and Delhi, he explained the key ingredients of change-making to students. The takeaway from his session was that one can bring difference to so many lives through small ideas, teamwork and creative solutions.



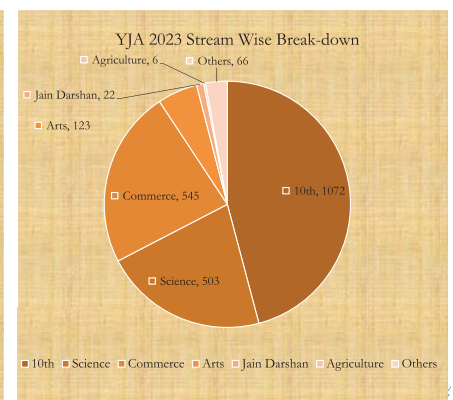
FIFTH SESSION:

What is Happiness? - By Anubhav Jain

During this session, Anubhav Jain presented an intriguing talk that was based on Munishri Kshama Sagarji's pravachans on four types of happiness/peace. The session paved the way for identifying the different types of happiness in our lives and provided insights on how to achieve them. Overall, it was a captivating and thought-provoking session.

YJA 2023 – KEY STATS

	No. of Awardees
Total Applications	2,337
States	24
Educational Boards	20
Awardees With 100% Marks in at least One Subject	234
Differently Abled Candidates	3
Selection in JEE, Stat. Entrance Exam, NEET, NTSE, etc.	200
Selection in CPT/ CLAT	20
Female Awardees	58%
Awarded in-person	205



जीवन जीने की कला

@ मुनिश्री क्षमासागर जी

हम सभी लोगों की भावना होती है कि हम अपने जीवन को अच्छा बना सकें। हम अपनी चेतना का विकास कर सकें, हम अपनी गुणवत्ता का विकास कर सकें ताकि हम अपने आपसे स्वयं कह सकें कि हाँ! सचमुच हमने मनुष्य जीवन प्राप्त करके उसे सार्थक किया।

एक बार एक व्यक्ति साइकिल खरीदने के लिए साइकिल वाले की दुकान पर पहुँचा और उसने एक साइकिल खरीदी। दुकानदार ने भी साइकिल खरीदने वाले से कहा कि देखो, इतनी बढ़िया साइकिल है! मैं गारंटी देता हूँ, साल-भर तो कोई भी टूट-फूट नहीं होगी इसमें। खरीदने वाला बड़ा खुश हुआ। लेकिन आधा घंटा हुआ और वह वापिस साइकिल लेकर साइकिल वाले की दुकान पर आ गया और दुकानदार से बहुत नाराज हुआ कि तुम बड़ी साल-भर की गारंटी देते हो और यहाँ तो इतनी ज्यादा टूट-फूट हो गई। दुकानदार ने कहा; देखें जरा, साइकिल में कैसे टूट-फूट हुई? देखा तो साइकिल बढ़िया थी, न हैंडल टूटा था, न चैन टूटी हुई थी, कुछ भी नहीं था। तो दुकानदार ने कहा कि मेरी साइकिल में तो कहीं कोई टूट-फूट नहीं हुई, तुम कह रहे हो टूट-फूट हो गई। साइकिल वाला व्यक्ति बोला कि तुम्हें टूट-फूट नहीं दिखाई पड़ती? मेरा चश्मा टूट गया, मेरे चार दाँत टूट गए; ये टूट-फूट नहीं दिखाई दी?

हमने जो सुख-सुविधा की सामग्री अपने लिए जुटाई है, उसमें कुछ टूट-फूट हो जाती है, हमारे शरीर में कुछ टूट-फूट हो जाती है तो हम चिन्तित हो जाते हैं। लेकिन हमारी चेतना कितनी विकृत होकर, निरन्तर टूट-फूट जाती है, हम कितना बुराईयों से घिर जाते हैं और अपने जीवन को मलिन कर देते हैं और चेतना निरन्तर पतन की तरफ चली जाती है, तब हमें जरा भी चिन्ता नहीं होती। शरीर के पतन की तो बहुत चिन्ता है, शरीर के अस्वस्थ होने की तो बहुत चिन्ता है लेकिन चेतना निरन्तर पतित होती चली जाती है, चेतना निरन्तर अस्वस्थ होती चली जाती है; इस तरफ हमारा ध्यान नहीं जाता। व्यक्तित्व के विकास के लिए जरूरी है कि जो हमें मन, वाणी और शरीर मिला है, हमारी चेतना, जिससे हम जानते-देखते हैं, अनुभव करते हैं, उस चेतना का विकास करें। अपने व्यक्तित्व को ऊँचा उठाएँ।

Personality development में overall performance देखा जाता है। हमारे कितने नंबर आए, ये महत्त्वपूर्ण नहीं है, हमारा जो कुछ भी अध्ययन है, वो कितना उपयोगी है हमारे अपने जीवन के लिए और हमारे आस-पास के परिवेश के लिए; तब हमारे

व्यक्तित्व को हम ऊँचा उठाने के लिए प्रत्यनशील कहे जाएँगे कि हाँ, सचमुच हमने अपने जीवन को उठाने के लिए प्रयत्न किया। लियो टॉल्सटॉय, जो कि बहुत बड़े दार्शनिक थे, उन्होंने व्यक्तित्व विकास के लिए कुछ प्रश्न अपने आप से पूछने और उनका उत्तर खोजने के लिए कहा है। उन्हीं प्रश्नों पर अपन थोड़ा-सा विचार कर लें और उनके उत्तर खोजें, अपने-अपने, individual answers हो सकते हैं। मैं जो answer आपको दे रहा हूँ वो मेरा अपना सोच है, कोई जरूरी नहीं है कि आपका भी वही सोच हो। मैं अपना सोच आपके ऊपर थोप नहीं रहा हूँ। आप स्वयं मुक्त हैं उन प्रश्नों के उत्तर अपने जीवन से खोजने के लिए।

एक प्रश्न - मैं किसके लिए जीता हूँ ?

For whom I live? मेरे जीवन जीने से कितनों को हानि है और कितनों को लाभ ? मैं अपने जीवन के दायित्व को ठीक-ठीक से पूरा करता हूँ या नहीं करता हूँ ? और मेरे जीवन का दायित्व क्या है? मेरे जीवन का दायित्व तो मानवीयता है। मैं उसी मानवीयता के लिए जीता हूँ। उस मानवीयता का विकास मुझे अपने अन्तर्ग में भी करना है। और इतना ही नहीं, अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए मुझे इस मानवीयता के दायित्व को निभाना है। तो परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए मैं ऐसा क्या करूँ जिससे कि मैं अपने मानवीयता के दायित्व को पूरा कर सकूँ? हमने व्रत-नियम-उपवास करे, इससे तो हमारी चेतना समृद्ध हुई, हमारे अपने जीवन का विकास हुआ, लेकिन साथ ही हमने अपने जीवन में दया रखी तो हमारा ही जीवन ऊँचा उठा, लेकिन उस दया का manifestation होना चाहिए, उसका फैलाव होना चाहिए। हमारे परिवार, हमारे आस-पड़ोस, हमारे पूरे समाज, हमारे पूरे राष्ट्र में, वह मानवीयता फैले हमारे द्वारा। हमारे मन, वाणी और शरीर से हम ऐसा कुछ करें जिससे कि यह दया जो मेरे भीतर मैंने संचित की है, उसका विस्तार सब दूर हो।

मेरा अपना कोई राष्ट्रीय चरित्र भी हो। मेरे अपने चरित्र का विकास तो मैं व्रत-नियम करके करता ही हूँ, लेकिन राष्ट्रीय विकास के लिए, सामाजिक विकास के लिए, मानवीयता के विकास के लिए मैं क्या करता हूँ? ये मुझे जरूर प्रश्न अपने आपसे पूछना चाहिए और उसका उत्तर ढूँढना चाहिए।



एक वृद्ध थे। वो ट्रेन में यात्रा कर रहे थे। उन्होंने देखा कि एक नवयुवक.... नवयुवक बुरा नहीं मानें। सभी नवयुवक ऐसा ही करते हों, ऐसा कोई जरूरी नहीं है। हम अगर ऐसा करते हों तो हमें विचार करना चाहिए कि हम ऐसा क्यों करते हैं? क्या हमारा ऐसा करना ठीक है? अपने आप से पूछें। किसी को उलाहना देने की, किसी पर comment करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उस नवयुवक ने केले खाये। और छिलके वहीं पर compartment के अंदर फेंक दिए। Dustbin भी था, वो चाहता तो dustbin में डाल सकता था। लेकिन नहीं डाले, आदत ही नहीं है। विट्ठलभाई पटेल कह रहे थे कि कचरा फैलाओ। नहीं! अनुशासन हमें अहिंसा और वीतरागता की तरफ ले जाता है। हम अनुशासन सीखें। कचरा फैलाने से आशय उनका यही था कि मुझे अवसर मिलेगा सफाई करने का। विनोबा कहते थे, किसी को भूख लगती है तो मुझे अतिथि-सत्कार का सौभाग्य मिलता है। बहुत अच्छा कि किसी को भूख लगती है। देखो! उस वृद्ध ने देखा कि छिलके डिब्बे के अन्दर फेंक दिए इस नवयुवक ने। कह सकता था वो नवयुवक को चार बातें। और हो सकता कि आपस में झगड़ा हो

जाता, वाद-विवाद हो जाता। लेकिन उस बुजुर्ग ने कुछ नहीं कहा। वो केले के दोनों छिलके उठाये, दो केले खाने के बाद फेंक दिए थे उसने। तो उठाये और अपनी कोट की पॉकेट में रख लिए। लोगों ने देखा तो बड़े आश्चर्यचकित हुए, हँसने लगे। अपन भी हँसेंगे। इस तरह की अच्छी-अच्छी बातें दूसरे के अन्दर देख कर के अपन को हँसी ही तो आती है। जब हम कॉलेज में पानी छानने के लिए पॉकेट से कपड़ा निकलते थे और फिर पानी छानते थे तो लोग comment करते थे। आ गए ब्रह्मचारी जी, आ गए पंडितजी! ऐसा comment कर रहे हैं लेकिन मैं comment करने से बदल जाऊँ, ऐसा मेरा अपना निर्णय नहीं होना चाहिए। मैं अच्छा काम कर रहा हूँ तो कोई कुछ भी कहे! उस बुजुर्गवार ने, जब बहुत लोगों ने comment किए, हंसने लगे तो सिर्फ इतना ही कहा कि यहाँ नाहक ट्रेन में गंदगी फैलती इसलिए मैंने अपनी पॉकेट में रख लिए, मैं नीचे उतरूँगा, जहाँ dustbin होगी, वहाँ इनको डाल दूँगा। तब लोगों को थोड़ा-सा realise हुआ कि हाँ, अच्छा काम करा।

क्रमशः.....

YOUNG JAINA AWARD-2023

Feedback and Memories

I know words cannot not express my gratitude fully but still wanted to say thank you for making me part of this event. I was so inspired to meet these young students and listen to their stories.

So much I learnt about Jainism and the way of life and teachings of Kshama Sagar Ji! Thanking my stars to getting me exposed to the thinking and principles behind it.

Congratulations for all this self-less work you are doing silently. We need more people like you.

Yashveer Singh, Speaker

मुझे लगता है मैं मुनि श्री क्षमासागरजी के आदर्शों एवं कल्पना का सम्मान रख सकी। यह सामर्थ्य उनके आशीर्वाद से ही मिला। चिड़िया, मन की आवाज और उसके साथ जुड़े सभी उनकी आवाज सुनते रहें, यह समझना बहुत जरूरी है, खासकर आज के माहौल में। पूज्य क्षमासागरजी की स्मृति को सादर भावपूर्ण नमन।

डॉ .प्रभाकिरण जैन, मुख्य अतिथि, नई दिल्ली

यंग जैन अवार्ड-2023, एक अच्छे एवं सफल आयोजन के लिए मैत्री समूह के पूरे दल को बहुत-बहुत बधाई एवं साधुवाद।

विशेष रूप से अवार्डी बच्चों के आगमन पर स्वागत, आवास व्यवस्था, कमरे में प्रदान की गई सुविधाएँ, खान-पान व्यवस्था अत्यन्त ही उच्च कोटि की एवं हमारे अनुमान से कहीं अधिक थीं, जिसके वर्णन के लिए हमारे पास शब्द ही नहीं। कार्यक्रम के प्रत्येक सत्र में अवार्डी एवं परिजनों को दी गई जानकारी एवं मुनिश्री पर आधारित विथिका भावों को निर्मल करने वाली एवं मैत्री समूह के मुनिश्री के समर्पण को दर्शाने वाली थी।

समारोह के अन्त में संचालक महोदय द्वारा दी गई भजन एवं गायन प्रस्तुति ने अनायास ही मन को मोहते हुए एक अदृश्य तार से हृदय को बाँध दिया। समारोह के समापन के पश्चात अत्यन्त ही कम समय में तिलक लगाकर प्रमाण पत्र, प्रतीक चिह्न, मेरी भावना एवं भोजन की व्यवस्था करते हुए समूह के सदस्यों द्वारा अन्तिम समय में भी बस पर आकर कुशलक्षेम पूछकर विदा करना अत्यन्त ही भावुक क्षण था। उस समय ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे की किसी बारात की विदाई पूरे आदर भाव के साथ निस्वार्थरूप से की जा रही है।

कार्यक्रम की परिकल्पना, संयोजन-स्वरूप-समन्वय-सहयोग



मैत्री समूह के सदस्यों के मध्य अत्यन्त ही विलक्षण था। समूह सदस्यों के मध्य समन्वय एवं एक-दूसरे के प्रति समर्पण देखकर यह अनुमान लगाना कठिन था कि कौन किसका नेतृत्व कर रहा है? सभी वरिष्ठ-कनिष्ठ का भेद न रखते हुए समभावी सहयोग के साथ कार्य करते दिखे। इससे मुझे भी अत्यन्त ही प्रेरणा मिली और अपनी समार्थ्य के अनुसार मैंने और पत्नी ने भी व्यवस्था में बिना किसी पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर सहयोग करने का प्रयास किया।

सत्येन्द्र जैन, भोपाल पिता अवाडी नयन जैन (2300678)

My experience was truly amazing, starting with volunteers' support in Delhi and Meerut who helped us at every step in getting to Hastinapur. The place was very beautiful and peaceful. Getting to know different cultures, and meeting new people, was wonderful. The sessions were very good. I felt honoured to take part in this beautiful event. Thank you for being my mentor and helping me, and thanks to YJA for conducting this event!

My family had a great experience too. They were very pleased with the accommodation and food. Overall, they had a nice experience and were very happy.

Nishamya, Kalpetta 2300965

Attending the two-day award event was an incredibly spiritual and memorable experience that left a profound impact on me. From the moment I arrived, it was evident that the mentors were not only experts in their fields but also incredibly kind-hearted individuals. Throughout the event, they went above and beyond to guide and support me, treating me like their own family. Receiving the award was an absolute honor, but what truly touched my heart was the sense of belonging and warmth I felt from the mentors. The event was not just about recognition; it was a testament to the power of mentorship and the bonds that can be formed within a community of like-minded, caring individuals. This event will forever hold a special place in my heart, and I am immensely grateful for the spiritual growth and the lasting relationships it brought into my life.

Suhani Jain, Delhi 2302204

I felt grateful after attending this function. The mentors and organisers were very supportive and helpful. This function taught me many life lessons which would help in my life ahead. Everything was perfect and coordinated very perfectly. Felt blessed to receive the blessings of Munishri Kshama Sagar Ji.

Anushka, Sagar 2300674

It was an amazing experience and we had learned a lot. Thank you for all the beautiful memories.

Jiya Jain, Guna 2300586

Never saw such an event! By the end of the event, I did not want to go back home. Hats off to the patience, support and management of all the volunteers. I am grateful for being part of YJA 2023. Hope to attend this event again soon.

Gaurav Jain, Indore 2300051

आप लोगों का समर्पण देखने लायक है, जैसे आपके गुरु मुनि श्री क्षमासागरजी वैसे ही आप लोग हो। आज के समय में गुरु-भक्त का रिश्ता देखना हो तो आप लोगों को देखना चाहिए। हम लोग तो महाराजजी के दर्शन नहीं कर पाए, पर उन्होंने आप लोगों को इतना अनुशासित कर दिया कि आप से सीख सकते हैं।

खुशी जैन, गुना 2301838

The event was an auspicious one, it encouraged me to be a better version of myself. I pay gratitude to all the people involved in organizing the event and making it a successful one. I am highly grateful to be a part of this function and very happy to be a part of Maitree Samooh family.

Navkaar Jain, Jabalpur 2301483

My experience of YJA 2023 was incredible, joyful, graceful, and full of positivity! The motivation sessions helped me figure out things in life and the most interesting part was the session about the basics of Jainism! Also, some very fun times were the Prabhat Pheri and Arti. Overall, very energetic, and positive surroundings, many thanks to the Maitree Samooh family.

Ananya, Shivpuri 2301432



YJA was a really nice experience for me. The sessions were really interesting and brain intriguing. The questions asked by mentors in the sessions were really good. The topic of discussion "happiness v/s success" was really interesting and gave me a new perspective. I learned and enjoyed a lot in the YJA event.

Aadish, Bina 2302273

The program was very nice and well coordinated. The program made us realize our potential and capabilities. And, special thanks to Anubhav bhayia for the amazing session.

Shashwat, Katni 2301275

I am truly honoured and grateful to receive this Young Jaina Award from Maitree Samooh. This award motivates me even more to continue my hard work and inspired me to strive for excellence in the upcoming years.

Shubh Jain, Ganj-Basoda 2301736

For us also it was truly, truly an amazing interaction. Learned many new principles of life. The way you all looked after us, the way you served the food, the respect, the love you showered and everything you did, it was all amazing...

Mansi Jain, Sagar 2300817

प्रतिदान

चिड़िया ने
अपनी चोंच में
जितना समाया
उतना पिया
उतना ही लिया,
सागर में जल
खेतों में दाना
बहुत था।
चिड़िया ने
घोंसला बनाया इतना
जिसमें समा जाए
जीवन अपना
संसार बहुत बड़ा था।



चिड़िया ने रोज
एक गीत गाया
ऐसा जो
धरती और आकाश
सब में समाया
चिड़िया ने सदा सिखाया
एक लेना
देना सवाया।

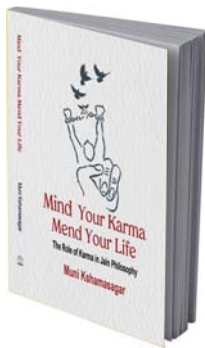
Giving

*The bird took
only as much as its beak
could hold;
it swallowed only
as much as it could drink.
Thus the grain in the field,
the water in the sea,
remained enough and plenty.
The bird made its nest
only as big
as its own body.
The world remained so big*

*and wide.
The bird sang a song
each day
a song that
filled the earth
and the sky.
The bird taught us:
take less
and give plenty.*

- मुनि क्षमासागर जी
अनुवाद- सुनीता जैन
मुक्ति से साभार

New Publications



Mind Your Karma, Mend Your Life

- Muni Kshama Sagar Ji
- Translated by Neeta Taly
- Published By Bhartiya Jnanpith

It is, quintessentially, a book that probes gently but persistently into some important questions that consume all of us: God, destiny, success, failure, suffering, happiness, and the contradictory nature of a world that seem to permit each of these to exist simultaneously.

The book is an in-depth analysis intended to cover why we feel, what we feel, hope for what we hope for, and why we feel happy or sad. The book presents a simple but a precious overview of Karma theory.



शंका समाधान

- मुनि क्षमासागर जी

हम मानवों की एक स्वाभाविक वृत्ति है - जिज्ञासा। भारत की महान ऋषि परम्पराओं में प्रश्नोत्तरी के माध्यम से ही ज्ञान पाया और बाँटा गया है। मुनिश्री के शंका समाधान के सत्र उनके प्रवचनों से भी अधिक लोकप्रिय थे। उन सत्रों में जिज्ञासुओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों के समाधान सुधीजनों द्वारा संकलित कर लिए गए थे। उन्हीं का प्रकाशन भाग प्रथम में किया था जिसे बहुत पसंद किया गया। अब उसी शृंखला को आगे बढ़ाते हुए भाग 2 प्रकाशित हुआ है।

Buy online: maitreesamooh.com/store or Whatsapp : 9407420880



महत्त्वपूर्ण चिट्ठी

कर्तव्य-निष्ठ

जीवन में कई प्रकार के अनुभव हो चुके हैं। विश्वास-अविश्वास का तानाबाना जीवन में बुनना पड़ा है। पर आज जिस आस्था को दिल में स्थान दे चुकी हूँ, वह एक युवक का कर्तव्यनिष्ठ व्यवहार है। आज से प्रायः तीन वर्ष पूर्व हमें अपने गृह-निर्माण के लिए कुछ धन की आवश्यकता हुई, अतः मेरे पति ने ऋण स्वरूप कुछ राशि भारतीय जीवन बीमा निगम से प्राप्त की। फिर हमारे सामने यह समस्या थी कि ऋण चुकाने के लिए प्रति माह भोपाल जाकर किश्त अदा करना। हमारा बेटा भी उन दिनों हमसे दूर अपने कार्यस्थल पर था। अतः उसके एक अभिन्न मित्र के छोटे भाई अजय, जो भोपाल में ही कार्यरत थे, ने हमसे आग्रह किया कि इस दायित्व को वह स्वयं पूरा करेगा। इस तरह उस युवक ने पूरे 35

माह तक नियमितरूप से स्वयं कार्यालय जाकर किश्त राशि का भुगतान किया। इसी बीच उसका दो बार भोपाल से बाहर स्थानांतरण हो गया, पर फिर भी उसने किसी प्रकार यह कार्य पूरा किया और हमें इस परेशानी से मुक्त रखा। जब अन्तिम भुगतान के दिन हम स्वयं भोपाल कार्यालय में उपस्थित हुए तो प्रायः पूरा दिन ही व्यतीत करना पड़ा। तब बार-बार मुझे अजय याद आता रहा और मेरा मन उसके लिए आस्था से भर गया, जिसने मेरे बेटे की जिम्मेदारी निभाकर मेरे हृदय में दूसरे बेटे का स्थान पालिया।

- आर. बैस

नई दुनिया, समाचार पत्र से साभार

BOOK-POST

Chirping Sparrow

Year - 22, Issue - 2

A Newsletter of Maitree Samooh

From :

MAITREE SAMOOH

Post Box No. 15, Vidisha, Madhya Pradesh - 464001

E-mail : samooh.maitree@gmail.com

Website : www.maitreesamooh.com

www.facebook.com/maitreesamooh

Mob.: 9425424984, 9425432295

(Maitree Samooh is a Registered Trust in Delhi)

To, _____

